Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



11th History

Chapter-4 | Part-6

ARJUN BATCH

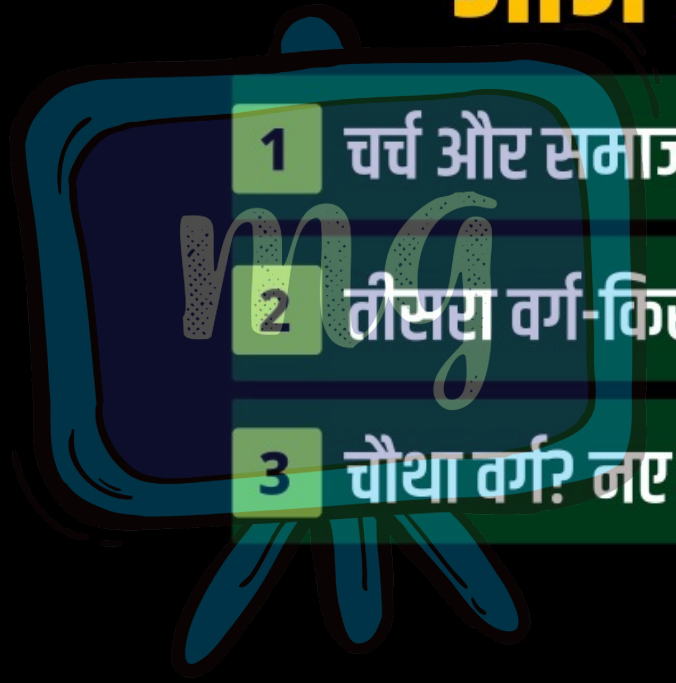
तीन वर्ग (Three Orders)

सामाजिक, आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने वाले कारक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



1. चर्च और समाज
2. तीसरा वर्ग-किसान, स्वतंत्र और बंधक
3. चौथा वर्ग? नए नगर और नगरवासी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चर्च और समाज

- चौथी सदी से ही क्रिसमस और ईस्टर कैलेंडर की महत्त्वपूर्ण तिथियाँ बन गए थे।
- 25 दिसम्बर को ईसा मसीह के जन्मदिन ने एक पुराने पूर्व-रोमन त्योहार का स्थान ले लिया।
- ईस्टर ईसा के शूलारोपण और उनके पुनर्जीवित होने का प्रतीक था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- परंपरागत रूप में, उस दिन प्रत्येक गाँव के व्यक्ति अपने गाँव की भूमि का दौरा करते थे।
- ईसाई धर्म के आने पर अब वे उसे ग्राम के स्थान पर 'पैरिश' (एक पादरी की देखरेख में आने वाला क्षेत्र) कहने लगे।
- तीर्थयात्रा, ईसाइयों के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तीसरा वर्ग-किसान, स्वतंत्र और बंधक



- सर्फ़ अंग्रेज़ी की क्रिया टू सर्व (To Serve) से बना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- पुरुषों का सैनिक सेवा में योगदान आवश्यक होता था (वर्ष में कम से कम चालीस दिन)।
- कृषकों के परिवारों को लॉर्ड की जागीरों पर जाकर काम करने के लिए सप्ताह के तीन या उससे अधिक कुछ दिन निश्चित करने पड़ते थे।
- इस श्रम से होने वाला उत्पादन जिसे 'श्रम-अधिशेष' (Labour rent) कहते थे, सीधे लॉर्ड के पास जाता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

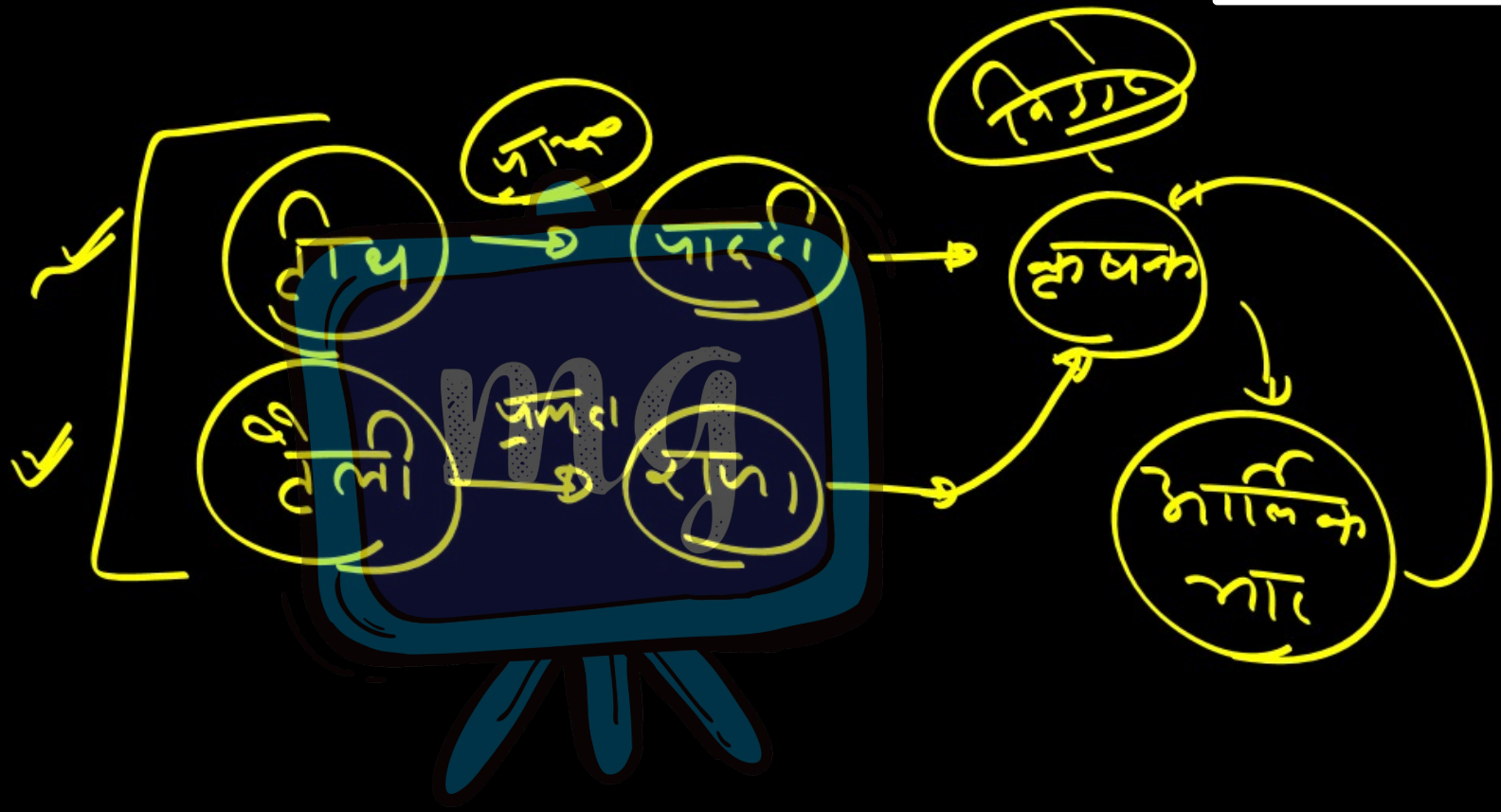
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- स्त्रियाँ सूत कातने, कपड़ा बुनने, मोमबत्ती बुनाने और लॉर्ड के उपयोग हेतु अंगूरों से रस निकाल कर मदिरा तैयार करती थी।
- इसके साथ ही एक प्रत्यक्ष कर 'टैली' (Taille) था जिसे राजा कृषकों पर कभी-कभी लगाते थे। (पादरी और अभिजात वर्ग इस कर से मुक्त थे)।
- कृषिदास लॉर्ड के स्वामित्व में थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- उनकी अधिकतर उपज भी लॉर्ड को ही मिलती थी।
- वे उन भूखंडों पर भी कृषि करते थे जो केवल लॉर्ड के स्वामित्व में थी।
- इसके लिए उन्हें कोई मज़दूरी नहीं मिलती थी।
- वे लॉर्ड की आज्ञा के बिना जागीर नहीं छोड़ सकते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

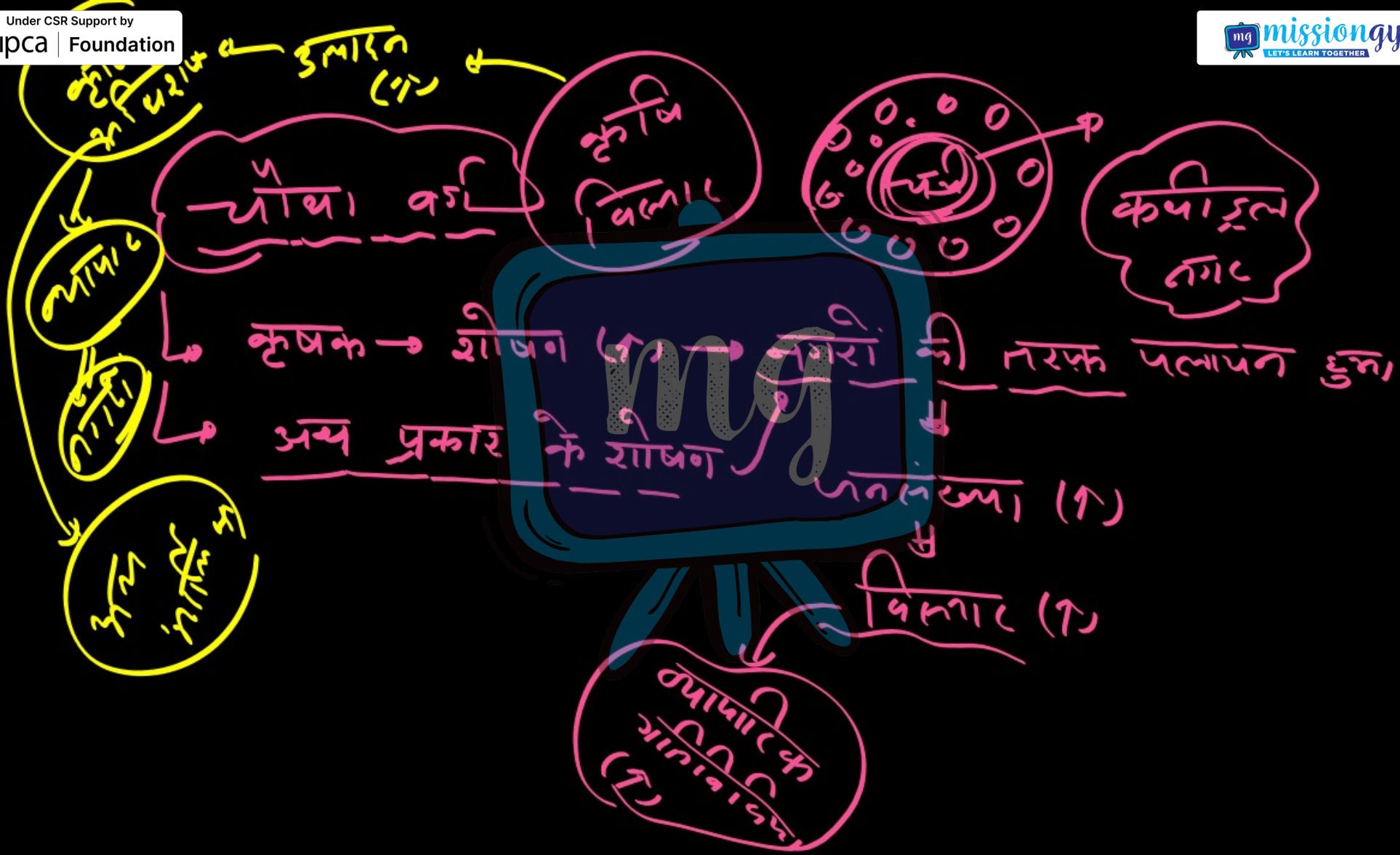


चौथा वर्ग? नए नगर और नगरवासी

- कृषि में विस्तार के साथ जनसंख्या, व्यापार और नगरों का विस्तार हुआ।
- यूरोप की जनसंख्या में वृद्धि हुई ।
- बेहतर आहार का अर्थ लंबी जीवन अवधि था।
- पुरुषों की तुलना में स्त्रियों और बालिकाओं की जीवन-अवधि छोटी होती थी ।
- क्योंकि पुरुष बेहतर भोजन करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- रोमन साम्राज्य के पतन के पश्चात उसके नगर तबाह हो गए थे।
- ग्यारहवीं सदी से कृषि का विस्तार हुआ और नगर फिर से बढ़ने लगे।
- कृषकों को एक ऐसे स्थान की आवश्यकता थी जहाँ वे अपना एक बिक्री केन्द्र स्थापित कर सकें और अपने उपकरण और कपड़े खरीद सकें।
- इस ज़रूरत ने हाट-मेलों को बढ़ावा दिया ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- छोटे विपणन केन्द्रों का विकास हुआ।
- धीरे-धीरे नगरों के लक्षण विकसित होने लगे।
- नगरों में लोग उन लॉर्डों को जिनकी भूमि पर नगर बसे थे, कर देने लगे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- नगरों ने कृषक परिवारों के जवान लोगों को लॉर्ड के नियंत्रण से मुक्ति की संभावनाएँ प्रदान कीं।
- 'नगर की हवा स्वतंत्र बनाती है' एक प्रसिद्ध कहावत थी।
- नगरों में रहने वाले अधिकतर व्यक्ति या तो स्वतंत्र कृषक या भगोड़े कृषिदास थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बाद में विशिष्ट कौशल वाले व्यक्तियों जैसे – साहूकार और वकीलों की आवश्यकता हुई।
- उन्होंने समाज में एक चौथा वर्ग बना लिया था।

